LATEST EDITION

INFUSION NOTES

WHEN ONLY THE BEST WILL DO

मध्यप्रदेश

उपनिरीक्षक (SI)/सूबेदार

MADHYA PRADESH PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD

HANDWRITTEN NOTES

भाग-3 भारत का सामान्य ज्ञान (GK)

मध्य प्रदेश

उपनिरीक्षक (SI)/सूबेदार

MADHYA PRADESH PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD

भाग – 3

भारत का सामान्य ज्ञान (GK)

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**मध्य प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (SI)**" को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **मध्य प्रदेश प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड (MPPEB)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**मध्य प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (SI)**" भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें /*

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती हैं / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें - https://wa.link/9mp4k3

Online Order करें - https://shorturl.at/pP479

मूल्य : ₹	**संस्करण : नवीनतम**

	प्राचीन भारत का इतिहास	
क्रम सं.	अध्याय	पेज न.
1.	सिन्धु सभ्यता	1
2.	वैदिक काल	4
3.	बौद्ध एवं जैन धर्म	7
4.	महाजनपद काल	12
5.	मौर्योत्तर काल	15
6.	गुप्त काल	19
7.	भारत के प्रमुख राजवंश	23
	मध्यकालीन इतिहास	
1.	अरबों का आक्रमण	34
2.	दिल्ली सल्तनत	36
3.	मुगल वंश	45
	आधुनिक इतिहास	
1.	यूरोपीय कम्पनियों का आगमन	54
2.	मराठा साम्राज्य	59
3.	ब्रिटिश सरकार की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ	62
4.	जन आंदोलन एवं 1857 की क्रांति	69
5.	राष्ट्रीय आंदोलन	73
6.	स्वतंत्रता आन्दोलन एवं गांधीजी	77
7.	स्वतंत्रता आन्दोलन	84

	भारतीय कला संस्कृति	
1.	भारतीय चित्रकला	87
2.	भारतीय नृत्य कलाएँ	89
3.	मुगलकालीन कला एवं वास्तु	91
	भारत का भूगोल	
1.	भौतिक परिचय	95
2.	भौतिक विभाजन	97
3.	प्रमुख नदियाँ एवं झीलें	102
4.	जलवायु	107
5.	भारत में कृषि एवं फसलें	109
6.	मृदा	113
7.	भारत की वनस्पतियाँ	116
8.	राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य	119
9.	खनिज एवं उर्जा संसाधन	121
10.	उद्योग	124
11.	परिवहन	129
12.	जनगणना	133
	विश्व भूगोल	
1.	ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल • महाद्वीप, महासागर, पर्वत, पठार इत्यादि	136
	भारत का संविधान	
1.	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	154

2.	संविधान सभा	157
3.	संविधान की विशेषताएं	159
4.	भारतीय संविधान के स्त्रोत	162
5.	भारतीय संविधान के भाग	163
6.	संघ एवं राज्य क्षेत्र	164
7.	भारतीय नागरिकता	165
8.	मौलिक अधिकार	166
9.	नीति निदेशक तत्व	168
10.	राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति	170
11.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	174
12.	भारतीय संसद	180
13.	सर्वोच्च न्यायालय	186
14.	पंचायती राज्य व्यवस्था	187
15.	निर्वाचन आयोग	191
16.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	192
17.	नीति आयोग	193
	अर्थशास्त्र	
1.	राष्ट्रीय आय	194
2.	मुद्रा एवं बैंकिंग	196
3.	उत्पादन पर वस्तु एवं सेवा कर	198
4.	केंद्रीय बजट	199

अध्याय – 5

मौर्योत्तर काल

राजनीतिक इतिहास

- मौर्य वंश की स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य ने की थी। चन्द्र गुप्त का जन्म 345 ई.पू. हुआ था।
- शासन काल चतुर्थ शताब्दी ई.पू. से द्वितीय शताब्दी ई.पू. तक (321-185 ई.पू)
- स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा आचार्य चाणक्य (विष्णुगुप्त) के सहयोग से। (मगध में) की।
- मौर्य शासन से पहले मगध पर नंद वंश के शासक धनानन्द का शासन था।
- मौर्य राजवंश ने लगभग 137 वर्ष तक भारत में राज किया।
- राजधानी पाटलिपुत्र (पटना)
- साम्राज्य 52 लाख वर्ग किलोमीटर तक फैला हुआ था।

आचार्य चाणक्य

- जन्म तक्षशिला में (आचार्य)
- अन्य नाम विष्णुगुप्त, कौटिल्य
- चन्द्रगुप्त का प्रधानमंत्री तथा प्रधान पुरोहित आचार्य चाणक्य थे।
- पुराणों में चाणक्य को "द्विजर्षभ" कहा गया है जिसका मतलब है श्रेष्ठ ब्राह्मण
- चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु के बाद भी बिन्दुसार के समय भी प्रधानमंत्री बना रहा (कुछ समय के लिए)
- चाणक्य तक्षशिला विश्वविद्यालय में आचार्य रहे थे।
- इन्होंने अर्थशास्त्र नामक पुस्तक की रचना की।
- अर्थशास्त्र मौर्यकालीन साम्राज्य की राजव्यवस्था एवं शासन प्रणाली पर प्रकाश डालता है।
- अर्थशास्त्र में 15 अधिकरण तथा 180 प्रकरण हैं।

चन्द्रगुप्त मौर्य (321 – 298 ई.पू.)

- चन्द्रगुप्त मौर्य 321 ई.पू. धनानन्द को हरा कर मगध का शासक बना।
- इसने सिकन्दर के उत्तराधिकारी सेल्यूकस को भी हराया था।
- सेल्यूकस की पुत्री हेलन का विवाह चन्द्रगुप्त मौर्य के साथ हुआ।
- उपाधियाँ - पाटलिपुत्रक (पालिब्रोथस)
- भारत का मुक्तिदाता
- प्रथम भारतीय साम्राज्य का संस्थापक

मेगस्थनीज

- मेगस्थनीज सेल्यूकस 'निकेटर' का राजदूत था।
- मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त के शासन काल में पाटलिपुत्र में कई वर्षों तक रुका।
- इसने 'इंडिका' नामक पुस्तक की रचना की जिससे मौर्यकालीन शासन व्यवस्था की जानकारी मिलती है।
- मेगस्थनीज भारत आने वाला प्रथम राजदूत था।
- जस्टिन-चन्द्रगुप्त की सेना को डाकुओं का गिरोह कहते हैं।
- यूनानियों ने चन्द्रगुप्त को सेंड्रोकोट्स नाम दिया।
- चन्द्रगुप्त जैन धर्म का अनुयायी था।
- चन्द्रगुप्त के संरक्षण में प्रथम जैन संगीति पाटलिपुत्र में हुई थी।
- चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपना शासन अपने पुत्र बिन्दुसार को सौंप दिया था।
- फिर वह अपने गुरु भद्रबाहु के साथ श्रवणबेलगोला (मैसूर) चला गया।
- वहां पर उसने संलेखना विधि (अन्न-जल त्याग) द्वारा मृत्यु (297/298 ई.पू.) को प्राप्त किया।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के लिए वृषल उपनाम मुद्राराक्षस नामक ग्रन्थ में मिलता है।
- 'वृषल' शब्द का अर्थ है निम्न कुल। चन्द्रगुप्त मौर्य को ब्राह्मण साहित्य में शुद्र कुल, बौद्ध एवं जैन ग्रन्थ में क्षत्रिय कुल तथा रोमिला थापर ने वैश्य कुल में उत्पन्न माना है।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के लिए वृषल उपनाम मुद्राराक्षस नामक ग्रंथ में मिलता है।
- मेगस्थनीज ने कहा की भारतीय लिखने की कला को नही जानते है।
- अशोक के समय में मौर्य साम्राज्य में प्रान्तों की संख्या 5 थी। प्रान्तों को चक्र कहा जाता था। प्रान्तों को आहार या विषय में बांटा गया था।
- अर्थशास्त्र में शीर्षस्थ अधिकारी के रूप में तीर्थ का उल्लेख मिलता है। जिसे महापात्र भी कहा जाता था। इनकी संख्या 18 थी। अर्थशास्त्र में चर जासूस को कहा गया है।

बिन्दुसार 298 – 273 ई.पू.

- अन्य नाम अमित्रघात था।
- इसने अपने साम्राज्य को सुरक्षित रखने में सफलता प्राप्त की।
- सीरिया के शासक एंटियोकस ने डायमेकस को बिन्दुसार के दरबार में भेजा था।
- डायमेकस को मेगस्थनीज का उत्तराधिकारी माना जाता है।

- बिन्दुसार आजीवक सम्प्रदाय का अनुयायी था।
- जैन ग्रन्थों में बिन्दुसार को सिंहसेन कहा गया है।

अशोक महान

- अशोक अपने पिता बिन्दुसार के शासन काल में प्रान्तीय प्रशासक (उज्जयनी) के पद पर था।
- प्राचीन भारतीय इतिहास का सर्वाधिक प्रसिद्ध सम्राट सम्राट अशोक था।
- सर्वाधिक अभिलेखीय प्रमाण इसी के काल के मिलते हैं।
- अभिलेखों में अशोक का नाम देवानाम प्रियदर्शी लिखा मिलता है।
- सर्वप्रथम मास्की लेख में अशोक का नाम पढ़ा गया।
- अशोक महान ने श्रीनगर की स्थापना की।
- अशोक अपने प्रारम्भिक जीवन में भगवान शिव का उपासक था।
- पुराणों में अशोक को अशोक वर्धन कहा गया है।

कलिंग युद्ध

- मगध के पड़ोस में कलिंग शक्तिशाली राज्य था।
- अपने राज्याभिषेक के आठवें वर्ष में 261 ई.पू. में अशोक ने कलिंग के साथ युद्ध किया था।
- यह सूचना अशोक के 13वें बड़े शिलालेख से मिलती है।
- कलिंग विजय के नरसंहार से सम्राट अशोक ने कभी युद्ध न करने का फैसला किया।
- अशोक महान ने अभिलेखों के माध्यम से राज्य की प्रजा को अपने संदेश पहुँचाये।
- अभिलेखों की भाषा
- प्राकृत (अधिकांश इसी भाषा में।)
- यूनानी
- अरामाइक
- अशोक के अभिलेख को सर्वप्रथम 1837 में जेम्स प्रिंसेप ने पढ़ा था।
- अशोक के वृहद शिलालेख (पहाड़ियों पर) 1 से 14 तक थे।
- अशोक के प्रथम वृहद शिलालेख में पशु हत्या को निषेध बताया है।
- इसका 12वाँ शिलालेख धार्मिक सहिष्णुता को दर्शाता है।
- अशोक बौद्ध धर्म का अनुयायी था।
- अशोक ने अपने शासनकाल के बीसवें वर्ष में लुम्बिनी की यात्रा की थी तथा लुम्बिनी ग्राम को कर मुक्त कर दिया था।
- अशोक ने अपने शासन काल के चौदहवें वर्ष में "धम्ममहामात्र" की नियुक्ति की जिसका प्रमुख कार्य प्रजा में धम्म का प्रचार करना, कल्याणकारी कार्य करना आदि थे।
- इसके शासन काल में तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन पाटलिपुत्र में हुआ।
- अशोक महान द्वारा प्रचारित की गई नीतिगत शिक्षा को अशोक का धम्म कहा गया।
- अशोक द्वारा निर्मित चार गुहा हैं, कर्ण, चोपार, सुदामा, और विश्व झोपड़ी हैं।
- अशोक द्वारा धर्म प्रचार के लिए भेजे गये प्रचारक-

सोन एवं उत्तरा- स्वर्णभूमि में
महेन्द्र एवं संघमित्रा- श्रीलंका

महारक्षित - यवन प्रदेश
रक्षित - वनवासी (उ. कनाडा)

अशोक के बाद मौर्य राज्य

पश्चिमी क्षेत्र	**पूर्वी क्षेत्र**
राजधानी - उज्जैन	राजधानी - पाटलिपुत्र

- वृहद्रथ अन्तिम मौर्य शासक था।
- 185 ई.पू. में इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने वृहद्रथ की हत्या कर दी। और मौर्य साम्राज्य का पतन हो गया।

मौर्य कालीन प्रशासन

संरचना

केंद्र	**राजा**
प्रान्त	युवराज
मंडल	मंत्रिनी/मंत्रिण
स्थानीय	मंत्रिपरिषद्
द्रोणमुख	नौकरशाही
खार्वटिक	नगर प्रशासन
संग्रहण	राजस्व प्रशासन
ग्राम	सैन्य प्रशासन
न्याय प्रशासन	गुप्तचर व्यवस्था

केंद्र

राजा - समस्त व्यवस्था का केन्द्र बिन्दु था।
कार्यपालिका
विधानपालिका
न्यायपालिका

- कौटिल्य के अनुसार राजा सप्तांग सिद्धान्त का केन्द्र बिन्दु है।

1. दुर्ग 2. अमात्य 3. मित्र 4. राजा 5. जनपद 6. कोष 7. सेना

- मेगस्थनीज के अनुसार राजा महिला अंगरक्षकों से घिरा होता है।

- मुनहियान व गुप्तचर गुप्त सूचना प्राप्त करता था।
- अलाउद्दीन खिलजी ने सेना को नगद वेतन देने एवं स्थायी सेना की नींव रखी । दिल्ली के शासकों में अलाउद्दीन के पास सबसे विशाल स्थायी सेना थी।
- चित्तौड़ के राजा राणा रत्न सिंह की अनुपम सुन्दर रानी पद्मिनी को प्राप्त करने के लिए अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़ पर आक्रमण किया ।
- अलाउद्दीन खिलजी के दरबार में अमिर खुसरो प्रसिद्ध फारसी कवि था । चितौड़ विजय के दौरान अमीर खुसरो अलाउद्दीन खिलजी के साथ चितौड़ गया था।
- अलाउद्दीन खिलजी के द्वारा लगाये जाने वाले दो नवीन कर थे ।

(1)**चराई कर** -दुधारू पशुओं पर लगाया जाता था

(2)**गढ़ी कर** - घरों एवं झोपड़ियों पर लगाया जाता था।

कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी (1316-1320ई.)

- कुतुबुद्दीन खिलजी दिल्ली सल्तनत के खिलजी वंश का शासक अलाउद्दीन खिलजी की मृत्यु के बाद मलिक काफूर ने एक वसीयत नामा पेश किया, जिसमें अलाउद्दीन के पुत्रों (खिज्र खाँ , शल्दी खाँ, मुबारक खाँ) के स्थान पर खिज्रखाँ के नाबालिक पुत्र शिहाबुद्दीन उमर को सुल्तान बनाया गया।
- तुर्की सरदारों ने विद्रोह किया तथा मलिक काफूर की हत्या कर मुबारक खिलजी को नाबालिक सुल्तान घोषित कर नायब-ए-ममलिकात बना दिया।
- मुबारक खिलजी ने शिहाबुद्दीन उमर की हत्या कर दी तथा कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी नाम से सुल्तान बना। इसने स्वयं को खलीफा घोषित किया
- कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी ने अपने सैनिकों को छः माह का अग्रिम वेतन दिया था।
- अलाउद्दीन खिलजी की कठोर दण्ड व्यवस्था एवं बाजार नियंत्रण आदि व्यवस्था को उसने समाप्त कर दिया था।
- अप्रैल 1320 ई. को खुसरो ने सुल्तान की हत्या कर दी और नासिरुद्दीन खुसरोशाह के नाम से शासक बना।

नासिरुद्दीन खुसरो शाह (अप्रैल-सितंबर 1320 ई.)

- अप्रैल 1320 में खुसरो ने कुतुबुद्दीन मुबारक शाह खिलजी की हत्या कर दी और नासिरुद्दीन खुसरो शाह के नाम से शासक बना।
- गाजी मलिक जो दीपालपुर का इक्तेदार था के नेतृत्व में खुसरोशाह को मरवा दिया गया तथा तुगलक वंश की स्थापना की गई।
- सल्तनत काल में फवाजिल का तात्पर्य इक्तादारों द्वारा सरकारी खजाने में जमा की जाने वाली अतिरिक्त राशि थी ।

तुगलक वंश (1320 से 1414ई)

संस्थापक – ग्यासुद्दीन तुगलक

अन्तिम शासक - नासिरुद्दीन महमूद

गाजी ग्यासुद्दीन तुगलक (1320-1325 ई.)

उपाधि - अल-शहीद (मुहम्मद-बिन-तुगलक के सिक्कों पर ग्यासुद्दीन की यह उपाधि मिलती है।)

विजारत का चरमोत्कर्ष तुगलक वंश के अंतर्गत हुआ ।

ग्यासुद्दीन तुगलक के समय हुए आक्रमण

- इसके समय 1323 ई में पुत्र जौना खाँ (मुहम्मद बिन तुगलक) ने वारंगल पर आक्रमण किया लेकिन असफल रहा। इस समय वारंगल का शासक प्रताप रुद्रदेव था।
- 1324 ई. में जौना खाँ ने वारंगल पर पुनः आक्रमण किया इसे (वारंगल) जीतकर इसका नाम तेलंगाना/सुल्तानपुर रखा।
- ग्यासुद्दीन तुगलक का अंतिम सैन्य अभियान बंगाल की गड़बड़ी को समाप्त करना था, क्योंकि बलबन के लड़के बुगरा खाँ ने बंगाल को स्वतंत्र घोषित कर दिया था।
- 1324 ई. में ग्यासुद्दीन ने बंगाल का अभियान किया तथा नासिरुद्दीन को पराजित कर बंगाल के दक्षिण एवं पूर्वी भाग को सल्तनत में मिलाया तथा उत्तरी भाग पर नासिरुद्दीन को अपने अधीन शासक घोषित किया।
- ग्यासुद्दीन तुगलक दिल्ली का पहला सुल्तान था जिसने अपने नाम के साथ 'गाजी' (काफिरों का वध करने वाला) शब्द जोड़ा ।
- शेख निजामुद्दीन औलिया ने ग्यासुद्दीन तुगलक से कहा था की "हुनूज दिल्ली दूर अस्त अर्थात् दिल्ली अभी बहुत दूर है ।

ग्यासुद्दीन तुगलक के द्वारा निर्माण कार्य

- इसने दल्ली के समीप तुगलकाबाद नामक नगर की स्थापना की ।
- दिल्ली में मजलिस-ए-हुक्मरान की स्थापना की। तुगलकाबाद में रोमन शैली में एक दुर्ग का निर्माण किया जिसे छप्पन कोट के नाम से जाना जाता है।

ग्यासुद्दीन की मृत्यु

- 1325 ई. में बंगाल विजय के बाद वापिस दिल्ली लौटते समय दिल्ली से कुछ दूर जौना खाँ द्वारा सुल्तान के स्वागत के लिए बनाये गये लकड़ी के महल से गिर जाने से सुल्तान की मृत्यु हो गयी।

नोट - ग्यासुद्दीन तुगलक ने लगभग सम्पूर्ण दक्षिण भारत को दिल्ली सल्तनत में मिला लिया था।

हक-ए-शर्ब कर सिंचाई पर लगाया जाता है ।

मुहम्मद बिन तुगलक - (1325-51 ई.)

- दिल्ली सल्तनत में सबसे अधिक लंबे समय तक शासन तुगलक वंश ने किया, तथा सल्तनत के सुल्तानों में सर्वाधिक विस्तृत साम्राज्य मोहम्मद बिन तुगलक का था
- मुहम्मद बिन तुगलक का साम्राज्य 23 प्रांतों में बंटा हुआ था मुहम्मद बिन तुगलक के समय साम्राज्य का विस्तार हुआ । सल्तनत काल में सबसे बड़ा साम्राज्य विस्तार इसी का था।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने मुस्लिम राजस्व का सिद्धांत दिया तथा अपने सिक्कों पर अल-सुल्तान-जिल्ले-इलाही अंकित कराया।
- मुहम्मद बिन तुगलक के शासन काल के प्रमुख स्त्रोत-
- जियाउद्दीन बरनी द्वारा लिखित पुस्तक तारीख ए फिरोजशाही
- इब्नबतूता का यात्रा वृतांत (रिहला)
- मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी बहुसंख्यक हिन्दू प्रजा के साथ सहिष्णुता का व्यवहाँ र किया।
- मुहम्मद बिन तुगलक दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान था जिसने योग्यता के आधार पर लोगो को नियुक्त किया।
- मुहम्मद बिन तुगलक का एक हिन्दू मंत्री साईराज था तथा दक्षिण का नायब वजीर धारा भी हिन्दू था|
- होली के त्यौहार में भाग लेने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम शासक मुहम्मद बिन तुगलक था|
- 1336 ई में हरिहर प्रथम व बक्का प्रथम ने विजयनगर को स्वतंत्र कराया । तथा विजयनगर साम्राज्य की स्थापना की।
- 1347 ई में अलाउद्दीन बहमन शाह (हसन् कांगू) ने बहमनी राज्य (महाराष्ट्र) को स्वतंत्र कराया तथा बहमनी राज्य की स्थापना की।
- इसके शासनकाल में कान्हा नायक ने विद्रोह कर स्वतंत्र वारंगल राज्य की स्थापना की।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने देवगिरी को अपनी राजधानी बनाया। तथा देवगिरी का नाम परिवर्तित कर मुहम्मद बिन तुगलक ने दौलताबाद कर दिया।
- मुहम्मद तुगलक ने कृषि के विकास हेतु '"अमीर-ए-कोही" नामक एक नए विभाग की स्थापना की।
- मुहम्मद बिन तुगलक को इतिहास में एक "बुद्धिमान मुर्ख शासक" के रूप में जाना जाता है।
- कहा जाता है की डाक प्रबन्धों के द्वारा मुहम्मद तुगलक के लिए ताजे फल (खुरासान से)एवं पिने के लिए गंगाजल मंगवाया जाता था ।
- एडवर्ड थॉमस ने मुहम्मद बिन तुगलक को प्रिंस ऑफ़ मनीअर्स की संज्ञा दी ।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने जीन प्रभू सूरी नामक जैन साधू को अपने दरबार में बुलाकर सम्मान प्रदान किया था ।
- मुहम्मद बिन तुगलक की मृत्यु पर इतिहासकार "बंदायूनी लिखता है की अंततः लोगों को उससे मुक्ति मिली और उसे लोगों से "
- मुहम्मद बिन तुगलक शेख अलाउद्दीन का शिष्य था । वह सल्तनत का पहला शासक था, जो अजमेर में शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह और बहराइच में सालार मसूद गाजी के मकबरे पर गया था ।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने बदायूँ में मीरन मुलहीम, दिल्ली में शेख निजामुद्दीन औलिया, मुल्तान में शेख रुकनुद्दीन, अजुधन में शेख मुल्तान आदि संतों की कब्र पर मकबरे बनवाये ।
- मुहम्मद बिन तुगलक के समय जिया नक्श्बी पहला व्यक्ति था जिसने संस्कृत कथाओं की एक श्रृंखला का फारसी में अनुवाद किया था । इस पुस्तक का नाम तूती नामा था जिसमें एक तोता एक ऐसी विरहिणी नायिका को कहानी सुनाता है, जिसका पति यात्रा पर गया है ।
- मुहम्मद बिन तुगलक की मृत्यु 20 मार्च, 1351 ई. को सिन्ध जाते समय थट्टा के निकट गोडाल में हो गयी।

फिरोज तुगलक

- फिरोज तुगलक का राज्याभिषेक थट्टा के निकट 20 मार्च 1351 को हुआ, पुन : फिरोज का राज्याभिषेक दिल्ली में अगस्त 1351 को हुआ ।
- खलीफा द्वारा इसे कासिम अमीर उल मोममीन की उपाधि दी गयी ।
- बंगाल-फिरोज ने 1353 एवं 1359 ई. में दो बार बंगाल पर असफल अभियान किया।
- जाजनगर (ओडिसा) -1360 ई.- फिरोज ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर को लूटा।
- नगरकोट-1361 ई - फिरोज ने काँगड़ा में स्थित नगरकोट पर आक्रमण किया। फिरोज ने यहाँ के ज्वालामुखी मंदिर को लूटा और यहाँ की मुख्य मूर्ति को मदीना भिजवा दिया। यही से 1300 संस्कृत की किताबों को पाया जिसका उसने फारसी में अनुवाद कराया था।
- थट्टा अभियान-1362 ई फिरोज तुगलक का अन्तिम अभियान सिन्ध के थट्टा पर हुआ।
- फिरोज तुगलक ब्राह्मणों पर जजिया लागू करने वाला पहला मुसलमान शासक था फिरोज तुगलक ने एक नया कर सिचाई कर भी लगाया, जो उपज का 1/10 भाग था ।
- फिरोज तुगलक ने पांच बड़ी नहरों का निर्माण करवाया था।

अध्याय – 4

जन आंदोलन एवं 1857 की क्रांति

राजनीतिक – धार्मिक आंदोलन

फकीर विद्रोह (1776-77)

- यह विद्रोह बंगाल में विचरणशील मुसलमान धार्मिक फकीरों द्वारा किया गया था ।
- इस विद्रोह के नेता मजनू शाह ने अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देते हुए जमीदारों और किसानों से धन इक्कठा करना आरम्भ कर दिया ।
- मजनू शाह की मृत्यु के बाद चिराग अली शाह ने आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया ।

सन्यासी विद्रोह (1770 – 1820)

- संन्यासी विद्रोह भारत की आज़ादी के लिए बंगाल में अंग्रेज़ हुकूमत के विरुद्ध किया गया एक प्रबल विद्रोह था।
- संन्यासियों में अधिकांश शंकराचार्य के अनुयायी थे।
- इतिहास प्रसिद्ध इस विद्रोह की स्पष्ट जानकारी बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यास 'आनन्दमठ' में मिलती है।

पागलपंथी विद्रोह (1813 - 33)

- उत्तर पूर्वी भारत में प्रभावी पागलपंथी एक धार्मिक पंथ था ।
- उत्तर पर्वी क्षेत्र में हिन्दू मुसलमान और गारो तथा जांग आदिवासी इस पंथ के समर्थक थे ।
- इस क्षेत्र में अंग्रेजों द्वारा क्रियान्वित भू-राजस्व तथा प्रशासनिक व्यवस्था के कारण व्यापक असंतोष था ।
- इस विद्रोह को 1833 ई. में दबा दिया गया ।

वहाबी आंदोलन (1820 – 70)

- वहाबी आंदोलन मूलतः एक इस्लामिक सुधारवादी आंदोलन था । जिसने कालांतर में मुस्लिम समाज में व्याप्त अन्धविश्वास एवं कुरुतियों के उन्मूलन को अपना उद्देश्य बनाया ।
- इस आंदोलन के संस्थापक अब्दुल वहाबी के नाम पर इसका नाम वहाबी आंदोलन पड़ा ।
- सैयद अहमद बरेलवी ने भारत में इस आंदोलन को प्रेरणा प्रदान की

कूका विद्रोह

- कूका विद्रोह की शुरुआत पंजाब में 1860-1870 ई. में हुई थी।
- पश्चिमी पंजाब में 'कूका विद्रोह' की शुरुआत लगभग 1840 ई. में 'भगत जवाहर मल' द्वारा की गयी थी।
- भगत जवाहर मल को 'सियान साहब' के नाम से भी जाना जाता था।
- 1872 ई. में इसके एक नेता 'रामसिंह' को रंगून निर्वासित कर दिया और आंदोलन पर नियंत्रण पा लिया गया ।

समोसी विद्रोह

- समोसी मराठा राज्य के अधीनस्थ कर्मचारी थे। अत्यधिक लगान वसूली के कारण 1822 में उन्होंने विद्रोह कर दिया ।

गडकरी विद्रोह

- गडकरी विद्रोह अंग्रेजों के खिलाफ किया गया था।
- 1844 ई. में महाराष्ट्र में 'गड़करी जाति' के विस्थापित सैनिकों ने अंग्रेज़ों के विरुद्ध इस विद्रोह को अंजाम दिया।

मुंडा एवं हो विद्रोह (1820-22)

कोल विद्रोह (1831)

- 1831 में छोटा नागपुर में यह कोल विद्रोह हुआ
- इस विद्रोह का प्रमुख कारण कोल आदिवासियों की जमीन छीनकर मुस्लिम और सिख संप्रदाय के किसानों को दे दी इस विद्रोह में गंगा नारायण और बुद्धो भगत ने भूमिका निभाई ।
- यह विद्रोह मुख्य रूप से रांची हजारीबाग पलामू मानभूम और सिंह भूमि क्षेत्र में फैला ।

संथाल विद्रोह (1855)

- सन् 1855 ईस्वी में जमींदार और साहूकारों के अत्याचार और भूमि कर अधिकारियों के दमनात्मक व्यवहार के प्रति सिद्धू एवं कान्हू के नेतृत्व में राजमहल एवं भागलपुर के संस्थान आदिवासियों ने विद्रोह कर दिया ।

चुआर विद्रोह (1798)

- दुर्जन सिंह तथा जगन्नाथ के नेतृत्व में बंगाल के मिदनापुर जिले में 1798 ईस्वी में यह विद्रोह हुआ।
- इस विद्रोह का मुख्य कारण भूमि कर एवं अकाल के कारण उत्पन्न आर्थिक संकट था इस विद्रोह में यह विद्रोह रुक रुक कर 30 वर्षों तक चला ।

खासी विद्रोह

- भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जब अंग्रेजों ने खासी की पहाड़ियों से लेकर सिलहट के बीच सड़क मार्ग बनाना प्रारंभ किया तो स्थानीय लोगों ने इसे ब्रिटिश राज्य का उनकी स्वतंत्रता पर हस्तक्षेप मानते हुए विद्रोह किया ।

अहोम आदिवासी विद्रोह (1828)

- यह ब्रिटिश सरकार ने 1828 ईस्वी में असम राज्य के अहोम प्रदेश को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने का प्रयत्न किया तो अहोम आदिवासियों ने गोमधर कुंवर के नेतृत्व में विद्रोह कर दिया

पश्चिम भारत के प्रमुख आदिवासी विद्रोह

भील विद्रोह (1818)

की तरह बेसेंट ने भारत में होमरूल लीग की स्थापना की ।

- स्वामी विवेकनद की मुख्य शिष्या सिस्टर निवेदिता थी ।
- वास्तव में भारत की एकता इसकी विभिन्नताओं में ही निहित है । हिन्दू धर्म एवं संस्कृति ने सम्पूर्ण देश को एक सूत्र में सदा से बांध रखा है । यह विचार बीसेंट स्मिथ का है ।
- 1893 ई. में शिकागो सम्मलेन में स्वामी विवेकान्द ने भाग लिया था ।
- रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी वेवेकानंद ने 1897 ई. में की थी ।
- रामकृष्ण आंदोलन के मुख्य प्रेरक स्वामी रामकृष्ण परमहंस थे रामकृष्ण की शिक्षाओं के प्रचार का श्रेय उनके योग्य शिष्य स्वामी विवेकानंद (नरेन्द्र नाथ दत्त) को दिया जाता है।
- 1893 ई. में 14 वर्ष के बाद योगी राज अरविन्द घोष 1872 -1950 ई. की भारत भूमि पर वापसी हुई । (1893 ई. में उन्होंने एक लेखमाला न्यू लैम्प फॉर ओल्ड ") प्रकाशित किया ।
- राजनैतिक सुधारों को लेकर विरोध करने वाले पहले भारतीय सुरेन्द्रनाथ बनर्जी थे ।
- प्रार्थना समाज की स्थापना 1867 ई. में केशव चन्द्र सेन के सहयोग से डॉ. आत्माराम पांडुरंग ने बम्बई में की थी ।
- भारत सेवक समाज सर्वेन्ट्स ऑफ़ इण्डिया सोसायटी की स्थापना 1905 ई. में गोपाल कृष्ण गोखले ने बम्बई में की थी ।
- व्यक्तिगत सत्याग्रह को दिल्ली चलो सत्याग्रह के नाम से जाना जाता है । व्यक्तिगत सत्याग्रह की शुरुआत पवनार से 17 अक्टूबर 1940 से आरम्भ हुई थी ।
- सत्यशोधक समाज की स्थापना ज्योतिबा फुले द्वारा की गयी थी ।
- सम्पति के निष्कासन के सिद्धांत के प्रतिपादक दादा भाई नौरोजी थे ।
- भारतीयों द्वारा अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित प्रथम समाचार पत्र हिन्दू पैट्रियॉट था ।
- बहिष्कृत भारत पत्रिका का संबंध डॉ. भीमराव अम्बेडकर से था ।
- महात्मा गाँधी द्वारा स्थापित हरिजन सेवक संघ के संस्थापक अध्यक्ष घनश्याम दास बिडला थे ।
- भारत में यंग बंगाल आंदोलन प्रारम्भ करने का श्रेय हेनरी विवियन डिरोजियो को है एंग्लो -इंडियन डिरोजियो कलकत्ता में हिन्दू कॉलेज के अध्यापक थे ।
- स्वदेशवाहिनी नामक पत्रिका के सम्पादक के. रामकृष्ण पिल्लै थे ।
- डिरोजियो ने ईस्ट इण्डिया नामक दैनिक पत्र का भी सम्पादन किया
- हेनरी विवियन डिरोजियो को आदुनिक भारत का प्रथम राष्ट्रवादी कवि माना गया है ।
- महात्मा गाँधी ने 1924 ई. में बेलगाँव कांग्रेस अधिवेशन के अध्यक्षता की थी ।
- इंडियन नेशन अखबार का प्रकाशन पटना से होता था।
- साधारण ब्रह्म समाज की स्थापना 1878 ई. में कलकत्ता में शिवनाथ शास्त्री, आनंद मोहन बोस ने की थी ।
- हाली पद्धति बँधुआ मजदूरी से संबंधित है ।
- विधवा पुनर्विवाह को कानूनी रूप से वैध करवाने में ईश्वरचन्द्र विद्यासागर की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी ।
- बहुजन समाज के संस्थापक मुकुंद राव पाटिल थे।
- पंडित रामाबाई सरस्वती द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए आर्य महिला समाज की स्थापना की गयी।
- भारत में मुस्लिम सुधार आंदोलन का प्रवर्तक सर सैयद अहमद खान को माना जाता है ।
- ब्राह्मणों की सर्वोच्चता को चुनौती देने के लिए आत्म सम्मान आंदोलन वी. रामास्वामी नायकर के द्वारा चलाया गया ।
- गुलामगिरी पुस्तक के लेखक ज्योतिबा फुले थे ।
- धर्म सभा की स्थापना 1829 ई. में कलकत्ता में राधाकांत देव ने की थी ।
- द्वारकानाथ टैगोर द्वारा वर्ष 1838 में स्थापित भारत की प्रथम राजनैतिक संस्था लैंडहोल्डर्स सोसायटी थी ।
- वन्देमातरम समाचार पत्र 1909 ई. में प्रकाशित किया गया इसके संस्थापक लाला हरदयाल, श्यामजी कृष्ण वर्मा थे ।
- महात्मा गाँधी केवल एक बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए थे ।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन 27 दिसम्बर 1885 को मुम्बई में हुआ था ।
- वहाबी आंदोलन को भारत में सबसे ज्यादा प्रचारित करने का श्रेय सैयद अहमद बरेलवी एवं इस्लाम हाजी मौलवी मोहम्मद को दिया जाता है।

उदारवादी आंदोलन

- भारतीय राष्ट्रीयता का जनक उदारवादियों को कहा जाता है ।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जनक ए.ओ.ह्युम को कहा जाता है ।

अध्याय – 3
प्रमुख नदियाँ एवं झीलें

- **नदियाँ**

भारतीय अपवाह तंत्र

अरब सागरीय अपवाह तंत्र | बंगाल की खाड़ी का अपवाह तंत्र

अपवाह तंत्र किसी नदी एवं उसकी सहायक नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र को कहते हैं।

- कुल अपवाह क्षेत्र का लगभग 77 प्रतिशत भाग, जिसमें गंगा, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा आदि नदियाँ शामिल हैं। बंगाल की खाड़ी में जल विसर्जित करती हैं,
- जबकि 23% भाग जिसमें सिन्धु, नर्मदा, तापी, माही व पेरियार नदियाँ शामिल हैं। अपना जल अरब सागर में गिराती हैं।

हिमालयी अपवाह तंत्र

- उत्तरी भारत की नदियाँ अपरदन से प्राप्त मिट्टी को बहाकर ले जाती हैं तथा मैदानी भागों में जल प्रवाह की गति मंद पड़ने पर मैदानों और समुद्रों में जमा कर देती हैं।
- इन्ही नदियों द्वारा लायी गई मिट्टी से उत्तर भारत के विशाल मैदान का निर्माण हुआ है।
- इंडो ब्रह्म नदी:- भू-वैज्ञानिक मानते है, कि मायोसीन कल्प में लगभग 2.4 करोड़ से 50 लाखों वर्ष पहले एक विशाल नदी थी। जिसे शिवालिक या इंडो - ब्रह्म नदी कहा गया है।
- इंडो ब्रह्म नदी के तीन मुख्य अपवाह तंत्र -
- 1. पश्चिम में सिन्धु और इसकी पाँच सहायक नदियाँ
- 2.मध्य में गंगा और हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ
- 3.पूर्व में ब्रह्मपुत्र का भाग व हिमालय से निकलने वाली इसकी सहायक नदियाँ

भारतीय नदी प्रणाली

1. सिन्धु नदी तंत्र

- सिन्धु जल संधि 1960 में हुई थी।
- तीन पूर्वी नदियों - व्यास, रावी, सतलज का नियंत्रण भारत के पास है। तथा 3 पश्चिमी नदियों सिन्धु, झेलम, चेनाब का नियंत्रण पाकिस्तान को दिया गया है।

1. व्यास, रावी, सतलुज — 80% पानी भारत, 20% पानी पाकिस्तान

2.सिन्धु, झेलम, चिनाब — 80% पानी पाकिस्तान, 20% पानी भारत

सिन्धु नदी तंत्र

- सिन्धु नदी का क्षेत्रफल 11 लाख, 65 हजार वर्ग km है।
- भारत में सिन्धु नदी का क्षेत्रफल 3,21,289 वर्ग किमी हैं।
- सिन्धु नदी की कुल लम्बाई 2,880 किमी. है।
- भारत में सिन्धु नदी की लम्बाई केवल 1,114 km हैं।
- भारत में यह हिमालय की नदियों में सबसे पश्चिमी नदी है।
- सिन्धु नदी का उद्गम तिब्बती क्षेत्र में स्थित कैलाश पर्वत श्रेणी (मानसरोवर झील) में बोखर-चू के निकट एक चेमयांगडुंग ग्लेशियर (हिमनद) से होता है, जो 4,164 मीटर उँचाई पर स्थित हैं। तिब्बत में इसे शेर मुख कहते हैं।
- **सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम सिन्धु नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।**
- अन्य सहायक नदियाँ – जास्कर, स्यांग, शिगार, गिलगिट, श्योक, हुंजा, कुर्रम, जुबरा, गास्टिंग व द्रास, गोमल।
- सिन्धु नदी, कराची (पाकिस्तान) के निकट अरब सागर में जाकर गिरती है।
- यह नदी अटक (पंजाब प्रांत, पाकिस्तान) के निकट पहाड़ियों से बाहर निकलती हैं। जहाँ दाहिने तट पर काबुल नदी इसमें मिलती है।
- यह नदी दक्षिण की ओर बहती हुई मिठनकोट के निकट पंचनद का जल प्राप्त करती हैं।
- पंचनद नाम पंजाब की पाँच मुख्य नदियों सतलज, व्यास, रावी, चिनाब, झेलम को संयुक्त रूप से दिया गया है।
- सिन्धु और ब्रह्मपुत्र नदियों का उद्गम स्थल तिब्बत का पठार हैं।
- तिब्बत के पठार से निकलने वाली अन्य नदियाँ - यांग्त्सी - क्यांग, जियांग, ह्वांगहो (पीली नदी, पीत), इरावदी, मेकांग एवं सतलज।
- जास्कर नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर की सीमा पर सरचू के उच्च अक्षांशीय पठारी भाग से होता है।
- यह नदी जास्कर श्रेणी में गहरे गॉर्ज का निर्माण करती हैं। तथा कठोर चट्टानी भागो से होकर बहती हैं।
- यह पहले उत्तर फिर पूर्व की ओर बहते हुए नेमू के निकट सिन्धु नदी से मिल जाती हैं।

सतलज नदी -

- यह एक पूर्ववर्ती नदी हैं।
- यह तिब्बत में 4,555 मीटर की ऊँचाई पर मानसरोवर झील के निकट राक्षस ताल झील से निकलती हैं।
- वहाँ इसे लाँगचेन खंबाब के नाम से जाना जाता है।
- सतलज नदी का संगम स्थल कपूरथला के द.- प. सिरे पर व्यास नदी में तथा मिठानकोट के निकट सिन्धु नदी में है।
- यह उत्तर - पश्चिम दिशा में बहते हुए इंडो - तिब्बत सीमा के समीप शिपकी ला दर्रे के पास भारत में प्रवेश करने से पहले लगभग 400 km तक सिन्धु नदी के समान्तर बहती है।
- सतलज नदी की सहायक नदियाँ है –सिप्ती, वास्पा, व्यास
- यह हिमालय की श्रेणियों (महान हिमालय और जास्कर श्रेणी) को काटकर महाखड्ड का निर्माण करती हैं।
- सतलुज, सिन्धु नदी की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी हैं। यह भाखड़ा नांगल परियोजना के नहर तंत्र का पोषण करती है तथा आगे जाकर व्यास नदी में मिल जाती हैं।

व्यास नदी (विपाशा नदी) :-

- यह सिन्धु की एक अन्य महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है।
- यह रोहतांग दर्रे के निकट व्यास कुंड से निकलती है।
- यह नदी कुल्लू घाटी से गुजरती है।
- यह धौलाधर श्रेणी में काती और लारगी में महाखण्ड का निर्माण करती है।
- यह हरिके बेराज के पास सतलज नदी में जाकर मिल जाती है।
- पार्वती, सैन्ज, तीर्थन, ऊहल इसकी सहायक नदियाँ है।

रावी नदी (परुष्णी नदी या इरावती नदी)

- यह नदी सिन्धु की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है।
- जो हिमालय की कुल्लु की पहाड़ियों में स्थित रोहतांग दर्रे के पश्चिम से निकलती हैं तथा चंबा घाटी से होकर बहती है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले व सराय सिन्धु के निकट चिनाब नदी में मिलने से पहले यह नदी पीरपंजाल के दक्षिण-पूर्वी भाग व धौलाधर के बीच से प्रवाहित होती है।
- अंत में ये झांग जिले की सीमा पर चिनाब नदी में मिल जाती है।

चिनाब नदी (अस्किनी)

- यह सिन्धु की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
- यह लाहुल में बरालाचाला दर्रे के विपरीत दिशा में चंद्रा और भाग नामक दो सरिताओं के मिलने से बनती है।
- ये सरिताएँ हिमाचल प्रदेश में केलांग के निकट तांड़ी में आपस में मिलती है।
- इसलिए इसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले भारत में इस नदी का बहाव क्षेत्र 1180 किमी हैं।
- यह त्रिमू के निकट झेलम नदी में जाकर मिलती है।

झेलम नदी (वितस्ता)

- यह सिन्धु की सहायक नदी है।
- जो कश्मीर घाटी के दक्षिण-पूर्वी भाग में पीरपंजाल गिरिपद में स्थित वेरीनाग के निकट शेषनाग झरने से निकलती है।
- पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी श्रीनगर और वुलर झील से बहते हुए एक तंग व गहरे महाखण्ड से गुजरती है।
- पाकिस्तान में झंग के निकट यह चिनाब नदी से मिलती है।

गंगा नदी तंत्र

गंगा नदी

- गंगा नदी का उद्‌गम् उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से हुआ है। जहां यह भागीरथी के नाम से जानी जाती है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किलोमीटर (उत्तराखंड) में 110 किलोमीटर उत्तरप्रदेश में 1450 किलोमीटर तथा बिहार में 445 km व पश्चिम बंगाल में 520 किलोमीटर) हैं।
- उत्तराखंड में देवप्रयाग में भागीरथी, अलकनंदा नदी से मिलती है तथा इसके बाद यह गंगा कहलाती है।
- अलकनंदा नदी का स्त्रोत बद्रीनाथ के ऊपर सतोपथ हिमनद से हुआ है।
- अलकनंदा, धौली गंगा और विष्णु गंगा धाराओं से मिलकर बनती है, जो जोशीमठ या विष्णु प्रयाग में मिलती है।
- भागीरथी से देव प्रयाग में मिलने से पहले अलकनंदा से कई सहायक नदियाँ आकर मिलती है।

स्थान	**नदी संगम**
विष्णु प्रयाग	धौलीगंगा + अलकनंदा
नंद प्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
कर्ण प्रयाग	पिंडार + अलकनंदा
रुद्रप्रयाग	मंदाकिनी + अलकनंदा
देवप्रयाग	भागीरथी + अलकनंदा

- गंगा नदी हरिद्वार (उत्तराखंड) के बाद मैदानी क्षेत्रो में प्रवेश करती है तथा अपने दक्षिण पूर्व में बहते हुए इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में पहुँचती है जहाँ इससे यमुना नदी (गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी) आकर मिलती हैं।

न्यूनतम पुरुष साक्षरता

राज्य	प्रतिशत
बिहार	71.2
अरूणाचल प्रदेश	72.6
आन्ध्रपदेश	74.9

- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में पुरुष और महिला साक्षरता के बीच का अंतर 16.3 प्रतिशत हैं ।
- भारत में सर्वाधिक पुरुष-स्त्री साक्षरता दर में अंतर वाले दो राज्य क्रमशः राजस्थान (27.1) और झारखण्ड (21.4) हैं।
- भारत में न्यनतम पुरुष-स्त्री साक्षरता दर में अंतर वाले दो राज्य क्रमशः मेघालय (3.1) और मिजोरम/केरल (4.0) हैं।

शीर्ष स्त्री साक्षरता

राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश	प्रतिशत
केरल	92.1
मिजोरम	89.3
लक्षद्वीप	87.9

न्यूनतम स्त्री साक्षरता

राज्य	प्रतिशत
बिहार	51.5
राजस्थान	52.1
झारखण्ड	55.4

शीर्ष 5 साक्षर जनसंख्या में वृद्धि वाले राज्य

राज्य/ केन्द्रशासित प्रदेश (2001-2011)

	प्रतिशत
दादर नगर हवेली	119.46
दमन द्वीव	75.63
बिहार	74.83

विश्व भूगोल

❖ ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल

- ब्रह्मांड का अध्ययन खगोलिकी कहलाता है।
- महाविस्फोट सिद्धांत (big-bang theory) ब्रह्मांड की उत्पत्ति से संबंधित है ।
- ब्रह्मांड दिखाई पड़ने वाले समस्त आकाशीय पिंड को ब्रह्मांड कहते हैं। ब्रह्मांड विस्तारित हो रहा है ब्रह्मांड में सर्वाधिक संख्या तारों की है।

तारा

- वैसा आकाशीय पिंड जिसके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश हो तारा कहलाता है।
- तारा बनने से पहले विरल गैस का गोला होता है।
- जब ये विरल गैस केंद्रित होकर पास आ जाते हैं तो घने बादल के समान हो जाते हैं जिन्हें निहारिका कहते हैं।
- जब इन नेबुला में सलंयनविधि द्वारा दहन की क्रिया प्रारंभ हो जाती हैं तो वह तारों का रूप ले लेता है।
- तारों में हाइड्रोजन का सलंयन हिलियम में होता रहता है । तारों में इंधन प्लाज्मा अवस्था में होता है।
- तारों का रंग उसके पृष्ठ ताप पर निर्भर करता है ।
- लाल रंग - निम्न ताप (6 हजार डिग्री सेल्सियस)
- सफेद रंग - मध्यम ताप
- नीला रंग - उच्च ताप

  तारों का भविष्य उसके प्रारंभिक द्रव्यमान पर निर्भर करता है।
- जब तारा सूर्य का ईंधन समाप्त होने लगता है तो वह लाल दानव का रूप ले लेता है और लाल दानव का आकार बड़ा होने लगता है।
- यदि लाल दानों का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान के 1.44 गुना से छोटा होता है तो वह श्वेत वामन बनेगा।

सौर मंडल

- सूर्य तथा उसके आसपास के ग्रह, उपग्रह तथा शुद्र ग्रह, धूमकेतु, उल्कापिंड उनके संयुक्त समूह को सौरमंडल कहते हैं ।
- सूर्य सौरमंडल के केंद्र में स्थित है ।
- सौरमंडल में जनक तारा के रूप में सूर्य है।
- सौर मंडल के सभी पिंड सूर्य का चक्कर लगाते हैं।

सूर्य

- यह हमारा सबसे निकटतम तारा है सूर्य सौरमंडल के बीच में स्थित है। सूर्य की आयु लगभग 15 अरब वर्ष है जिसमें से वह 5 अरब वर्ष जि चुका है।

6. अरुण
7. वरुण

आकार के अनुसार ग्रह

1. बृहस्पति
2. शनि
3. अरुण
4. वरुण
5. पृथ्वी
6. शुक्र
7. मंगल
8. बुध

आंखों से हम पांच ग्रहों को देख सकते हैं ।

1. बुध
2. शुक्र
3. मंगल
4. बृहस्पति
5. शनि

उल्टा घूमने वाले ग्रह पूरब से पश्चिम

- शुक्र तथा अरुण
- सर्वाधिक घनत्व पृथ्वी का तथा कम घनत्व शनि का ।
- सबसे बड़ा उपग्रह बृहस्पति का गेनीमेड और सबसे छोटा उपग्रह मंगल का डिवोर्स है ।
- सबसे तेज घूर्णन बृहस्पति सबसे धीमा घूर्णन शुक्र 249 दिन ।
- सबसे तेज परिक्रमण वर्ष की अवधि बुध 88 दिन सबसे धीमा शुक्र 164 साल।
- सबसे गर्म ग्रह शुक्र सबसे ठंडा ग्रह अरुण वरुण है।

Gold lock zone

- अंतरिक्ष का वह स्थान जहां जीवन की संभावना पाई जाती है उसे गोल्डी लॉक्स जोन कहते हैं ।
- केवल पृथ्वी पर जीवन संभव है ।
- मंगल पर इसकी संभावना है ।
- जीवन की उत्पत्ति के लिए कपास का पौधा अंतरिक्ष पर भेजा गया ।

बुध ग्रह (मरकरी)

- इसका नामकरण रोमन संदेशवाहक देवता के नाम पर हुआ है ।
- इस ग्रह का वायुमंडल नहीं है किन्तु बहुत ही कम मात्रा में वहां ऑक्सीजन पाई जाती है ।
- वायुमंडल ना होने के कारण यह ऊष्मा को रोक नहीं पाता है । जिस कारण दिन में इसका तापमान 420 डिग्री सेल्सियस तथा रात को -180 डिग्री सेल्सियस तापमान हो जाता है अर्थात इस ग्रह पर सर्वाधिक तापांतर 600 डिग्री सेल्सियस का देखा जाता है अतः यहां जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है ।
- वायुमंडल ना होने के कारण इस ग्रह पर सर्वाधिक उल्का पात हुआ है ।
- सबसे बड़ा क्रेटर कोरोलिस बेलिस है ।

शुक्र

- इस ग्रह पर सर्वाधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड पाया जाता है ।
- यह सूर्य से आने वाली सभी ऊष्मा को अवशोषित कर लेता है
- इसे सबसे गर्म तथा चमकीला ग्रह कहते है ।
- इसे सौरमंडल की परी कहते हैं
- इस पर प्रेशर कुकर के समान स्थिति पाई जाती है जिस कारण इसे दम घुटने वाला कहते हैं ।
- यह पृथ्वी से समानता रखता है अतः इसे पृथ्वी का सहोदर ,भगिनी ,जुड़वा बहन कहते हैं ।
- यह अपने अक्ष पर उल्टा अर्थात पूर्व से पश्चिम घूमता है जिस कारण यहां सूर्योदय पश्चिम में होता है ।
- यह अपने अक्ष पर 243 दिन में घूर्णन कर लेता है । जबकि सूर्य का परिक्रमण 224 दिन में पूरा करता है ।
- अर्थात इस ग्रह का घूर्णन और परिक्रमण समान है।
- अर्थात इस ग्रह पर एक दिन । वर्ष के बराबर होगा ।
- बुध तथा शुक्र के पास उपग्रह नहीं है इसके उपग्रह को सूर्य खींच लेता है।

भोर तथा सांझ का तारा

- भोर तथा सांझ में प्रकाश काम रहता है । इसी कारण सूर्य से जब प्रकाश आता है तो बुध तथा शुक्र से टकराकर परिवर्तित होता है ।
- इस परिवर्तित प्रकाश के कारण बुध तथा शुक्र चमकीले दिखते हैं जिससे शुक्र निकट होने के कारण अधिक चमकीला दिखता है ।
- बुध एवं शुक्र दोनों को भोर तथा सांझ का तारा कहते हैं ।

मंगल

- इस पर Iron ऑक्साइड की अधिकता है । जिस कारण यह लाल दिखता है
- यह 25 डिग्री पर झुका हुआ है । जिस कारण इस पर पृथ्वी के समान ऋतु परिवर्तन देकर जाते हैं ।
- इस ग्रह पर जीवन की संभावना सर्वाधिक है ।
- इस ग्रह पर पूरे सौरमंडल का सबसे ऊंचा पर्वत मिक्स ओलंपिया है जिसकी ऊंचाई 30000 किलोमीटर है

कॉन्सटीट्यूशन" भी कहा जाता है, भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों को शामिल किया गया ।

- इसके तहत, विभिन्न अनुच्छेदों और यहाँ तक की प्रस्तावना में भी संशोधन किया गया ।
- सरदार स्वर्ण सिंह समिति द्वारा 8 मूल कर्तव्यों को जोड़े जाने और इनके अनुपालन न किये जाने पर दंड के प्रावधान की सिफारिश की गयी थी ।
- सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश P.N भगवती (1985 -86) को जनहित याचिका का जनक (father of PIL) कहा जाता है ।
- किसी व्यक्ति को राष्ट्रगान गाने के लिए बाध्य किया जा सकता है ऐसा सर्वोच्च न्यायालय ने विजय इमैनुअल बनाम केरल केरल राज्य (1986) मामले में ऐसा कहा ।
- मूल कर्तव्यों को मुख्यत : दो वर्गो -नैतिक कर्तव्य तथा नागरिक कर्तव्य में रखा गया है ।
- मूल कर्तव्य केवल नागरिकों पर लागू होते हैं ।

अध्याय – 10

राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति

राष्ट्रपति पद अर्हताएँ (अनुच्छेद 58)

- भारत का नागरिक हो ।
- न्यूनतम आयु 35 वर्ष हो ।
- वह लोक सभा का सदस्य निर्वाचित होने की योग्यता रखता हो ।
- वह की लाभ के पद पर कार्यरत न हो ।
- वह पागल या दिवालिया न हो
- भारत में राष्ट्रपति का निर्वाचन अप्रत्यक्ष मतदान से (आनुपातिक प्रतिनिधित्व से एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा होता है ।

भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में मतदान करने वाले सदस्य –

- राज्य सभा, लोक सभा और राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं ।
- भारत के राष्ट्रपति उम्मीदवार के प्रस्ताव का अनुसमर्थन कम से कम 50 निर्वाचको द्वारा होता है ।
- भारत में राष्ट्रपति का चुनाव एकल संक्रमणीय मत प्रणाली द्वारा होता है ।
- राष्ट्रपति के निर्वाचन में किसी राज्य का मुख्यमंत्री उस स्थिति में मतदान करने के लिए पात्र नही होगा यदि वह विधान मंडल में उच्च सदन का सदस्य हो ।
- राज्यों की विधान सभायें राष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल का तो भाग है परंतु वह उसके महाभियोग में भाग नही लेता है ।

राष्ट्रपति की पदावधि

- **अनु. 56** के अनुसार, राष्ट्रपति की पदावधि, उसके पद धारण करने की तिथि से पांच वर्ष तक होती है ।
- संविधान का अतिक्रमण करने पर अनुच्छेद 61 में वर्णित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा उसे पदमुक्त किया जा सकता है ।
- अनु. 61(1) के तहत, महाभियोग हेतु एकमात्र आधार 'संविधान का अतिक्रमण' उल्लिखित है ।
- यदि राष्ट्रपति का पद उसकी मृत्यु, त्यागपत्र, निष्कासन अथवा किन्हीं अन्य कारणों से रिक्त हो तो उपराष्ट्रपति, नये राष्ट्रपति के निर्वाचित होने तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा
- यदि उपराष्ट्रपति, का पद रिक्त हों, तो भारत का मुख्य न्यायाधीश (और यदि यह भी पद रिक्त हो तो उच्चतम न्यायालय का वरिष्ठतम न्यायाधीश) कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा ।

- पद रिक्त होने की तिथि से छह महीने के भीतर नए राष्ट्रपति का चुनाव करवाया जाना आवश्यक है । वर्तमान या भूतपूर्व राष्ट्रपति, संविधान के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए इस पद के लिए पुनर्निर्वाचन का पात्र होगा ।
- पद- धारण करने से पूर्व राष्ट्रपति को एक निर्धारित प्रपत्र पर भारत के मुख्य न्यायाधीश अथवा उनकि अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश के संम्मुख शपथ लेनी पड़ती है ।
- अनुच्छेद-77 के अनुसार भारत सरकार की समस्त कार्यपालिका करवाई राष्ट्रपति के नाम से की हुई खी जाएगी । और अनु. 77 (3) के अनुसार राष्ट्रपति भारत सरकार का कार्य अधिक सुविधापूर्वक किये जाने के लिए और मंत्रिओं में उक्त कार्य के आवंटन के लिए नियम बनाएगा ।

राष्ट्रपति से सम्बंधित महत्वपूर्ण अनुच्छेद
अनु.52 : भारत का राष्ट्रपति
अनु.53 : संघ की कार्यपालिका शक्ति
अनु.54 : राष्ट्रपति का निर्वाचक मंडल
अनु.55 : राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीति
अनु.56 : राष्ट्रपति की पदावधि
अनु.57 : पुनर्निर्वाचन के लिए पात्रता
अनु.58 : राष्ट्रपति निर्वाचित होने के लिए अर्हताएँ
अनु.59 : राष्ट्रपति पद के लिए शर्ते
अनु.60 : राष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
अनु.61 : राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की प्रक्रिया
अनु.62 : राष्ट्रपति का पद रिक्त होने की स्थिति में उसे भरने के लिए निर्वाचन करने का समय और आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित व्यक्ति की पदावधि
अनु.72 : क्षमा आदि की और कुछ मामलों में दंडादेश के निलम्बन, परिहार या लघुकरण की राष्ट्रपति की शक्ति
अनु.73 : संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार

राष्ट्रपति निम्न दशाओं में पांच वर्ष से पहले भी पद त्याग सकता है ।

- उपराष्ट्रपति को संबोधित अपने त्यागपत्र द्वारा यह त्यागपत्र उपराष्ट्रपति को संबोधित किया जायेगा जो इसकी सूचना लोक सभा अध्यक्ष को देगा । अनु. 56 (2)
- महाभियोग द्वारा हटाये जाने पर अनु 61 महाभियोग के लिए केवल एक ही आधार है, जो अनु. 61 (1) में उल्लेखित है वह है संविधान का अतिक्रमण ।

राष्ट्रपति पर महाभियोग (अनु. 61) :-

- महाभियोग संसद मे संपन्न होने वाली एक अर्द्ध-न्यायिक प्रक्रिया है ।
- राष्ट्रपति को 'संविधान का अतिक्रमण' करने पर उसके पद से महाभियोग प्रक्रिया द्वारा हटाया जा सकता है ।
- राष्ट्रपति के विरुद्ध संविधान के अतिक्रमण का आरोप संसद के किसी भी सदन में प्रारंभ किया जा सकता हैं । एक सदन द्वारा इस प्रकार का आरोप लगाए जाने पर दूसरा सदन उस आरोप का अन्वेषण करेगा करवाएगा ।
- संकल्प को प्रस्तावित करने की सूचना पर सदन की कुल सदस्य संख्या के कम से कम एक चौथाई सदस्यों के हस्ताक्षर होंगे । इस हेतु 14 दिनों की अग्रिम सूचना देना आवश्यक हैं । संकल्प उस सदन की कुल सदस्य संख्या के कम से कम दो तिहाई बहुमत से पारित किया जाना चाहिए ।
- चूँकि संविधान राष्ट्रपति को हटाने का आधार और तरीका प्रदान करता है, अतः अनुच्छेद 56 और 61 की शर्तों के अनुरूप महाभियोग के अतिरिक्त उसे और किसी भी तरीके से नहीं हटाया जा सकता है।

अन्य आकस्मिकताओं में राष्ट्रपति के कृत्यों का निर्वाचन अनु. 70

- जब राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति दोनों का पद रिक्त हो तो ऐसी आकस्मिकताओं में अनु.-70 राष्ट्रपति के कृत्यों का निर्वहन का उपबन्ध करता है । इसके अनुसार संसद जैसा उचित समझे वैसा उपबंध कर सकती है । इसी उद्देश्य से
- संसद ने राष्ट्रपति उत्तराधिकार अधिनियम, 1969 ई. पारित किया । जो यह उपबंधित करता है की यदि उपराष्ट्रपति भी किसी कारणवश उपलब्ध नही है तो उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश या उसके नही रहने पर उसी न्यायालय का वरिष्टतम न्यायाधीश, जो उस समय उपलब्ध हो, राष्ट्रपति के कृत्यों को सम्पादित करेगा ।
- राष्ट्रपति का मासिक वेतन 5 लाख रुपए है ।
- राष्ट्रपति का वेतन आयकर से मुक्त होता है ।
- राष्ट्रपति को नि:शुल्क निवास-स्थान व संसद द्वारा स्वीकृत अन्य भत्ते प्राप्त होते हैं ।
- राष्ट्रपति के कार्यकाल के दौरान उनके वेतन तथा भत्ते में किसी प्रकार की कमी नही की जा सकती है ।
- राष्ट्रपति के लिए 9 लाख रुपये वार्षिक पेंशन निर्धारित किया गया है ।

राष्ट्रपति के अधिकार एवं कर्तव्य :-

- भारत के प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है ।
- प्रधानमंत्री की सलाह पर मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों की नियुक्ति करता है ।
- सर्वोच्च न्यायालयों एवं उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति ।
- भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति ।
- राज्यों के राज्यपालों की नियुक्ति ।

- हमारी आजादी के 75 वें साल में दुनिया ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक 'चमकता सितारा' माना है।

G-20 अध्यक्षता 2023: "चुनौतियों के बीच वैश्विक एजेंडा को संचालित करना"

- वैश्विक चुनौतियों के इस दौर में जी-20 अध्यक्षता हमें विश्व आर्थिक व्यवस्था में भारत की भूमिका को सशक्त करने का एक अद्वितीय अवसर देती है।
- थीम:- वसुधैव कुटुंबकम/ One Earth, One Family, One Future

प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन :-

- विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में सुधार लाने के लिए प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन शुरू किया जाएगा।

हरित हाइड्रोजन मिशन :-

- हाल ही में ₹ 19,700 करोड रुपए के परिव्यय के साथ शुरू किए गए हरित हाइड्रोजन मिशन की मदद से अर्थव्यवस्था को निम्न कार्बन सघनता वाली स्थिति में ले जाना।
- जीवाश्म ईंधन के आयातों पर निर्भरता को कम करने तथा भारत को इस उदीयमान क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और बाजार में अग्रणी बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा।
- हमारा लक्ष्य है, वर्ष 2030 तक 5 MMT का वार्षिक उत्पादन हासिल करना।
- इस बजट में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा ऊर्जा परिवर्तन तथा निवल -शून्य उद्देश्यों और ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में प्राथमिकता प्राप्त करना तथा पूंजीगत निवेशों के लिए ₹ 35,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
- लद्दाख क्षेत्र 13 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा के निष्क्रमण और ग्रिड एकीकरण के लिए अंतर राज्यीय पारेषण प्रणाली ₹ 20,700 करोड़ के निवेश के साथ निर्मित की जाएगी। जिससे ₹8,300 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता शामिल है।

विविध

- **महत्वपूर्ण दिवस**

जनवरी	समारोह की तिथि
विश्व ब्रेल दिवस	4 जनवरी
विश्व युद्ध अनाथ दिवस	6 जनवरी
प्रवासी भारतीय दिवस	09 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
सड़क सुरक्षा सप्ताह	11 - 17 जनवरी
लाल बहादुर शास्त्री पुण्य-तिथि	11 जनवरी
सेना दिवस	15 जनवरी
NDRF स्थापना दिवस	19 जनवरी
सुभाष चन्द्र का जन्मदिन	23 जनवरी
पराक्रम दिवस	23 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	24 जनवरी
राष्ट्रीय मतदाता दिवस	25 जनवरी
राष्ट्रीय पर्यटन दिवस	25 जनवरी
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी	26 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय प्रलय स्मृति दिवस	27 जनवरी
लाला लाजपत राय जयंती	28 जनवरी
विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस	शहीद दिवस
शहीद दिवस	30 जनवरी
फरवरी	**समारोह की तिथि**
भारतीय तटरक्षक दिवस	1 फरवरी
विश्व आद्रभूमि दिवस	1 फरवरी
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी

विश्व पोलियो दिवस	24 अक्टूबर
31 अक्टूबर	सरदार पटेल जयंती, राष्ट्रीय एकता दिवस
विश्व बचत दिवस	31 अक्टूबर
नवंबर	**समारोह की तिथि**
आयुर्वेद दिवस	2 नवंबर
रेडियोग्राफी दिवस	5 नवंबर
विश्व सुनामी जागरूकता दिवस	5 नवंबर
शिशु सुरक्षा दिवस	7 नवंबर
विश्व कैंसर जागरूकता दिवस	7 नवंबर
परिवहन दिवस	10 नवंबर
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	11 नवंबर
बाल अधिकार दिवस	20 नवंबर
बाल दिवस	14 नवंबर
जनजातीय गौरव दिवस	15 नवंबर
राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस	17 नवंबर
विश्व वयस्क दिवस	18 नवंबर
राष्ट्रीय एकता दिवस	19 नवंबर
विश्व नागरिक दिवस	19 नवंबर
अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस	19 नवंबर
विश्व शौचालय दिवस	19 नवंबर
कौमी एकता सप्ताह	19-25 नवंबर
विश्व धरोहर सप्ताह	19-25 नवंबर
आवास दिवस	20 नवंबर
अंतर्राष्ट्रीय मांसहीन दिवस	25 नवंबर

संविधान दिवस	26 नवंबर
झंडा दिवस	30 नवंबर
दिसंबर	**समारोह की तिथि**
विश्व एड्स दिवस	1 दिसंबर
राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस	2 दिसंबर
विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस	2 दिसंबर
विश्व विकलांग दिवस	3 दिसंबर
नौसेना दिवस	4 दिसंबर
विश्व मृदा दिवस	5 दिसंबर
डॉ. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस	6 दिसंबर
सशस्त्र सेना झंडा दिवस	7 दिसंबर
अखिल भारतीय हस्तशिल्प सप्ताह	8-14 दिसंबर
भ्रष्टाचार के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस	9 दिसंबर
मानव अधिकार दिवस	10 दिसंबर
विश्व पर्वत दिवस	11 दिसंबर
राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस	14 दिसंबर
विजय दिवस	16 दिसंबर
विश्व प्रवासी दिवस	18 दिसंबर
अल्पसंख्यक अधिकार दिवस	18 दिसंबर
अल्पसंख्यको का अधिकार दिवस	18 दिसंबर
गोवा मुक्ती दिवस	19 दिसंबर
विश्व मानव एकजुटता दिवस	20 दिसंबर
राष्ट्रीय गणित दिवस	22 दिसंबर

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

भारत –चीन सीमा विवाद पर जनरल जे जे सिंह के अनुभवों और शोध पर आधारित है ।

5. "टॉम्ब ऑफ सैंड" नामक पुस्तक के लेखक गीतांजलि श्री है । गीतांजलि श्री को उनके उपन्यास "Tomb of Sand" के लिए साल 2022 का अंतर्राष्ट्रीय बुकर प्राइज दिया गया है । ऐसा पहली बार है कि जब किसी हिंदी उपन्यास के लिए किसी लेखिका को दुनिया के प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय बुकर प्राइज से सम्मानित किया गया है । यह भारत के लिए बड़े गर्व की बात है । लेखिका और साहित्यकार गीतांजलि श्री का यह उपन्यास मूल रूप से हिंदी में "रेत समाधि " के नाम से प्रकाशित हुई थी और इसका अंग्रजी अनुवाद "Tomb of Sand" नाम से डेजी रॉकवेल ने किया है ।
6. क्रंच टाइम : नरेंद्र मोदीज नेशनल सिक्योरिटी क्राइसिस पुस्तक के लेखक श्रीराम चौलिया है । यह पुस्तक चीन और पाकिस्तान के साथ संकट के दौरान पीएम मोदी की निर्णय लेने की श्रृंखला का विश्लेषण करती है ।
7. हिंदी कविता संग्रह "मैं तो यहां हूं" के लेखक प्रो. रामदरश मिश्र हैं । हिंदी के विरिष्ठ कवि एवं लेखक "प्रो. रामदरश मिश्र " मिश्र को वर्ष 2021 के लिए 31 वें सरस्वती सम्मान के लिए चुना गया है । और इस पुस्तक का प्रकाशन वर्ष 2015 में हुआ था ।
8. "नॉट जस्ट ए नाईटवॉचमैन : माई इनिंग्स विद BCCI" पुस्तक के लेखक विनोद राय है । यह पुस्तक विनोद राय ने लिखी है ।
9. "बिरसा मुंडा –जनजाति नायक" पुस्तक के लेखक आलोक चक्रवाल है ।
10. "पूर्वी भारत का सिख इतिहास" पुस्तक के लेखक अविनाश मोहपात्रा है । इस पुस्तक में बिहार, असम, बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल , ओड़िसा, अरुणाचल प्रदेश , सिक्किम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का सिख इतिहास शामिल है ।
11. "द मैजिक ऑफ मंगलाजोड़ी" पुस्तक के लेखक अविनाश मोहापात्रा है । कॉफी टेबल बुक ""द मैजिक ऑफ मंगलाजोड़ी" पुस्तक के लेखक अविनाश मोहापात्रा है । इस पुस्तक में विभिन्न छवियों और विवरणों के माध्यम से चिल्का झील में मंगलाजोड़ी का एक विहंगम दृश्य प्रदान करती है ।
12. "द मेवरिक इफेक्ट" पुस्तक के लेखक हरिश मेहता है । "द मेवरिक इफेक्ट" पुस्तक अनकही कहानी बताती है की कैसे 1970 और 80 के दशक में एक बैंड ऑफ ड्रीमर ने NASSCOM बनाने और भारत में आईटी क्रांति का मार्ग प्रशस्त करने के लिए हाथ मिलाया ।
13. "टाइगर ऑफ द्रास : कैप्टन अनुज नैयर, 23 कारगिल हीरो" पुस्तक के लेखक मीना नैयर है । इस पुस्तक में कैप्टन अनुज नैयर (23 वर्ष) की कहानी है । जो 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान द्रास सेक्टर को सुरक्षित करने के लिए लड़ते हुए शहीद हुए थे । कैप्टन अनुज नैयर को 2000 में दूसरे सर्वोच्च वीरता पुरस्कार महावीर चक्र (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया था ।
14. "डिकोडिंग इंडियन बाबूडोम" पुस्तक के लेखक अश्विनी श्रीवास्तव है ।
15. "द बॉय हू रोट ए कॉन्स्टिट्यूशन ए प्ले फॉर चिल्ड्रन ऑन ह्यूमन राइट्स " पुस्तक के लेखक राजेश तलवार है ।
16. अनफिल्ड बैरल्स : इंडियाज ऑयल स्टोरी " पुस्तक के लेखक ऋचा मिश्रा है ।
17. "द लिटिल बुक ऑफ जॉय" पुस्तक के लेखक दलाई लामा और डेसमंड टूटू है ।
18. "उड़ान एक मजदूर बच्चे की " पुस्तक के लेखक मिथिलेश तिवारी है ।
19. द मिलेनियल योगी " पुस्तक के लेखक दीपम चटर्जी है ।
20. मोर देन जस्ट सर्जरी : लाइफ लेसन्स बियॉन्ड द ऑटो पुस्तक के लेखक डॉ. तेहमटन एराच उडवाडीया है ।
21. "ऑन बोर्ड : माई इयर्स इन बीसीसीआई" आत्मकथा के लेखक रत्नाकर शेट्टी है ।
22. "उंगलिल ओरुवन" एमके स्टालिन की आत्मकथा है ।
23. "द क्वीन ऑफ इंडियन पॉप : द ऑथराइज्ड बायोग्राफी ऑफ उषा उत्थुप" जीवनी के लेखक विकास कुमार झा है ।
24. द ब्लू बुक : ए राइटर्स जर्नल पुस्तक के लेखक अमिताव कुमार है ।
25. "ए लिटिल बुक ऑफ इंडिया : सेलिब्रेटिंग 75 इयर्स ऑफ इडिपेंडेंस" पुस्तक के लेखक रस्किन बॉन्ड है ।
26. "फियरलेस गवर्नेंस पुस्तक के लेखक डॉ. किरण बेदी है ।
27. "अटल बिहारी वाजपेयी नामक पुस्तक के लेखक सागरिका घोष है ।
28. गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा पुस्तक के लेखक नवदीप सिंह गिल है ।
29. द ग्रेट टेक गेम पुस्तक के लेखक अनिरुद्ध सूरी है ।
30. ऑपरेशन खत्म पुस्तक के लेखक आर सी गंजू और अश्विनी भटनागर है ।
31. ए नेशन टू प्रोजेक्ट नामक पुस्तक के लेखक प्रियम गाँधी मोदी है ।
32. "ए हिस्ट्री ऑफ श्रीनिकेतन" पुस्तक के लेखक उमा दास गुप्ता है ।

सबसे बड़ा व भारी जानवर	ब्लू व्हेल
सबसे बड़ा दिन उत्तरी गोलार्द्ध में	21 जून
सबसे बड़ा ज्वालामुखी	मोनालिया (हवाई द्वीप)
सबसे बड़ी मूंगे की चट्टान	ग्रेट बेरियर रीफ (ऑस्ट्रेलिया)
सबसे बड़ा जलप्रपात	ग्वायरा (एल्टो पराना नदी)
सबसे बड़ा जलडमरूमध्य	डेविस जलडमरूमध्य
सबसे बड़ा सागर	दक्षिणी चीन सागर
सबसे बड़ा लेंगून	लेंगोआ डॉस पेंटोस (ब्राजील)
सबसे बड़ा घंटाघर	द ग्रेट बेल ऑफ मॉस्को
सबसे बड़ा पुस्तकालय	कांग्रेस पुस्तकालय (लंदन)
सबसे ऊँची मस्जिद	सुल्तान हसन मस्जिद, काहिरा (मिस्र)
सबसे बड़ी मस्जिद	जामा मस्जिद (भारत)
सबसे बड़ा राजमार्ग	राजमार्ग । (ऑस्ट्रेलिया) लम्बाई-14500 किमी.
सबसे ऊँचा पठार	पामीर का पठार (तिब्बत)
सबसे ऊँचा झरना	एंजिल (वेनेजुएला)
सबसे अधिक गहराई में स्थित पहाड़ी	बुकिट टामसन (ब्रुनेई)
सबसे अधिक वर्षा का स्थान	मॉसिनराम (भारत)
सबसे अधिक ठण्डा प्रदेश	बर्खोयांनस्क (रूस)
सबसे अधिक व्यस्त नहर	कील नहर
सबसे अधिक चोंड़ा जलप्रपात	खोन जलप्रपात (लाओस)
सबसे ऊँची सड़क	लेह-मनाली मार्ग (भारत)
सबसे ऊँची ईमारत	बुर्ज खलीफा (दुबई)828 मीटर
सबसे ऊँचा नगर	वेन चुआन (चीन)
सबसे ऊँची पर्वत चोटी	माउन्ट एवरेस्ट
सबसे ऊँचा बाँध	रोगुन्स्की बाँध (तजाकिस्तान)
सबसे ऊँची पहाड़ों की श्रेणी	हिमालय पर्वत श्रेणी
सबसे ऊँची राजधानी	लापाज बोलिविया
सबसे अधिक दूर ग्रह सूर्य से	वरुण (नेप्च्यून)
सबसे अधिक चोंड़ी जलसंधि	डेविस जलसंधि
सबसे ऊँचा बाँध (कंक्रीट)	ग्रांड कूली बाँध (अमेरिका)
सबसे अधिक सूखा प्रदेश	डैथ वेली (अमेरिका)
सबसे अधिक संकरा जलडमरूमध्य	यूनान एवं योबिया द्वीप के मध्य (एंजिल सागर)
सबसे अधिक निर्वाचन संख्या वाला देश	भारत
सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित रेलवे स्टेशन	सोंदोर (बोलिविया)
सबसे ऊँचा बौद्ध स्तूप	देहरादून (भारत)
सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित झील	टिटिकाका
सबसे ऊँचा ज्वालामुखी (क्रियाशील)	ओजेस डेल सलादो (चिली-अर्जेंटीना)
सबसे अधिक ऊँचाई पर सड़क	खलेब-हिस्र चिन्फु रोड़

- **भारत में प्रथम पुरुष**

भारतीय गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति	- डॉ.राजेन्द्र प्रसाद
प्रथम व अन्तिम भारतीय गवर्नर जनरल कौन थे	- सी. राजगोपालाचारी
स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री कौन है।	- जवाहरलाल नेहरू
भारत के प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति कौन थे।	- डॉ.जाकिर हुसैन
भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री कौन थे	– सरदार वल्लभ भाई पटेल
मुगल साम्राज्य का अंतिम बादशाह कौन था ।	- बहादुर शाह जफर द्वितीय
मुगल साम्राज्य का प्रथम बादशाह -	जहीरुद्दीन बाबर
विश्व बैंक के प्रबंध निदेशक नियुक्त होने वाले प्रथम भारतीय	- गौतम काजी
व्यास सम्मान से सम्मानित प्रथम व्यक्ति	डॉ० रामविलास शर्मा
पद्म भूषण' पुरस्कार से सम्मानित प्रथम क्रिकेट खिलाड़ी कौन थे।	- सी० के० नायडू
टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले प्रथम भारतीय -	के०एस० रणजीत सिंह (इंग्लैण्ड की ओर से)

स्थलों /शहरों के परिवर्तित नाम	
पुराना नाम	**परिवर्तित नाम**
हबीबगंज रेलवे स्टेशन	अटल बिहारी वाजपेयी रेलवे स्टेशन
बोगीबील पुल / कांडला बंदरगाह	अटल सेतू दीनदयाल बंदरगाह
नया रायपुर / साबरमती घाट	अटल नगर / अटल घाट
बुंदेलखंड एक्सप्रेस - वे / हजरगंज चौराहा	अटल पथ /अटल चौक
अगरतला हवाई अड्डा	महाराजा बीर बिक्रम हवाई अड्डा
मुगल सराय रेलवे स्टेशन	पं. दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन
बल्लभगढ़ मेंट्रो स्टेशन	अमर शहीद राजा नाहर सिंह मेंट्रो स्टेशन
गोरखपुर हवाई अड्डा	महायोगी गोरखनाथ हवाई अड्डा
अहमदाबाद / शिमला / अलाहाबाद	कर्णावती /श्यामलाल / प्रयागराज
फैजाबाद / गुडगाँव / अलीगढ़	अयोध्या / गुरुग्राम / हरिगढ़
झारसुगुड़ा हवाई अड्डा (ओड़िशा)	वीर सुरेन्द्र साईं हवाई अड्डा
एकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम	अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम
व्हीलर द्वीप	एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप
हैवलॉक द्वीप / नील द्वीप	स्वराज द्वीप / शहीद द्वीप
रॉस द्वीप	नेताजी सुभाष चन्द्रबोस द्वीप
फिरोजशाह कोटला स्टेडियम	अरुण जेटली स्टेडियम
राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान	अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्र. संस्थान
भोपाल मेंट्रो रेल	भोज मेंट्रो
चेननी नाशरी सुरंग	डॉ. श्यामा प्रशाद मुखर्जी सुरंग
प्रगति मैदान मेंट्रो स्टेशन	सुप्रीम कोर्ट मेंट्रो स्टेशन
रेलवे सुरक्षा बल	भारतीय रेलवे सुरक्षा बल सेवा
कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट ट्रस्ट
राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान	अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान
अंबाला सिटी बस स्टैंड	सुषमा स्वराज बस स्टैंड
विदेशी सेवा संस्थान	सुषमा स्वराज विदेशी संस्थान
मुम्बई सेन्ट्रल स्टेशन	नाना शंकरसेठ मुम्बई सेन्ट्रल रेलवे स्टशन
मानव संसाधन विकास मंत्रालय	शिक्षा मंत्रालय
ग्वालियर - चम्बल	श्री अटल बिहारी
एक्सप्रेस - वे	वाजपेयी प्रोगेस - वे
मंडुवाडीह रेलवे	बनारस्स जंक्शन स्टेशन (उ. प्र.)
मुगल म्यूजियम (आगरा)	छत्रपति शिवाजी महाराज म्यूजियम
हुबली रेलवे स्टेशन	श्री सिद्धरुधा स्वामीजी रेलवे स्टेशन हुबली
नौगढ़ रेलवे स्टेशन	सिद्धार्थ नगर रेलवे स्टेशन (उत्तर प्रदेश)
सेक्टर - 50 मेंट्रो स्टेशन	प्राइड स्टेशन (नोएडा उ. प्र.)
जहाजरानी मंत्रालय	पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
अयोध्या हवाई अड्डा	मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम हवाई अड्डा
मोटेरा स्टेडियम	नरेंद्र मोदी स्टेडियम (अहमदाबाद, गुजरात)
दांदूपुर रेलवे स्टेशन	माँ बाराही देवी धाम (उत्तर प्रदेश)
माजेरहाट ब्रिज	जय हिन्द (कोलकाता, पश्चिम बंगाल)
गोरेवाड़ा चिड़ियाघर (महाराष्ट्र)	बालासाहेब ठाकरे गोरेवाड़ा प्राणी उद्यान
मोहाली हॉकी स्टेडियम	बलबीर सिंह सीनियर हॉकी स्टेडियम

भारत में रामसर आर्द्रभूमियाँ

राज्य	आर्द्रभूमियाँ
जम्मू-कश्मीर	वुलर झील,होकेरा आर्द्रभूमि, सुरिनसर-मानेसर
लद्दाख	त्सो मोरीरी झील

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये
RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)

SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Our Selected Students

Approx. 137+ students selected in different exams. Some of them are given below -

Photo	Name	Exam	Roll no.	City
	Mohan Sharma S/O Kallu Ram	Railway Group - d	114195120370022	PratapNagar Jaipur
	Mahaveer singh	Reet Level- 1	1233893	Sardarpura Jodhpur
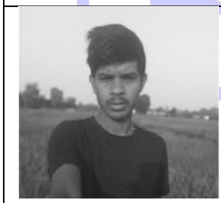	**Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati**	SSC CHSL tier-1	2006018079	Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP
N.A	**Mahender Singh**	EO RO (81 Marks)	N.A.	teh nohar , dist Hanumangarh
	Lal singh	EO RO (88 Marks)	13373780	Hanumangarh
N.A	**Mangilal Siyag**	SSC MTS	N.A.	ramsar, bikaner

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	MONU S/O KAMTA PRASAD	SSC MTS	3009078841	kaushambi (UP)
	Mukesh ji	RAS Pre	1562775	newai tonk
	Govind Singh S/O Sajjan Singh	RAS	1698443	UDAIPUR
	Govinda Jangir	RAS	1231450	Hanumangarh
N.A	**Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma**	RAS	N.A.	Churu
	DEEPAK SINGH	RAS	N.A.	Sirsi Road , Panchyawala
N.A	**LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL**	RAS	N.A.	AKLERA , JHALAWAR
N.A	**Ramchandra Pediwal**	RAS	N.A.	diegana , Nagaur

	Monika jangir	RAS	N.A.	jhunjhunu
	Mahaveer	RAS	1616428	village-gudaram singh, teshil-sojat
N.A	**OM PARKSH**	RAS	N.A.	Teshil-mundwa Dis- Nagaur
N.A	**Sikha Yadav**	High court LDC	N.A.	Dis- Bundi
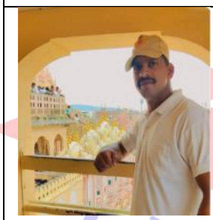	**Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel**	Rac batalian	729141135	Dis.- Bhilwara
N.A	**mukesh kumar bairwa s/o ram avtar**	3rd grade reet level 1	1266657	JHUNJHUNU
N.A	**Rinku**	EO/RO (105 Marks)	N.A.	District: Baran
N.A.	**Rupnarayan Gurjar**	EO/RO (103 Marks)	N.A.	sojat road pali
	Govind	SSB	4612039613	jhalawad

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Jagdish Jogi	EO/RO (84 Marks)	N.A.	tehsil bhinmal, jhalore.
	Vidhya dadhich	RAS Pre.	1158256	kota

And many others......

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp करें – https://wa.link/9mp4k3

Online order करें – https://shorturl.at/pP479

Call करें - 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO